मंगल - परिच्छेद

महामंगल - सुत्त

एवं मे सुतं। एकं समयं भगवा सावित्थियं विहरति जेतवने अनाथ-पिण्डिकस्स आरामे। अथ खो अञ्ञतरा देवता अभिक्कन्ताय रत्तिया अभि-क्कन्तवण्णा केवलकप्पं जेतवनं ओभासेत्वा येन भगवा तेनुपसङ्कमि उपसङ्कमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं अट्ठासि। एकमन्तं ठिता खो सा देवता भगवन्तं गाथाय अज्झभासि:-

बहु देवा मनुस्सा च मङ्गलानि अचिन्तयुं।
आकङ्खमाना सोत्थानं ब्रू हि मङ्गलमुत्तमं ॥१॥
असेवना च बालानं पण्डितानञ्च सेवना।
पूजा च पूजनीयानं एतं मङ्गलमुत्तमं ॥२॥
पतिरूप देसवासो च पुब्बे च कतपुञ्ञता।
अत्तसम्मापणिधि च एतं मङ्गलमुत्तमं ॥३॥
बाहुसच्चं च सिप्पंच विनयो च सुसिक्खितो।
सुभासिता च या वाचा एतं मङ्गलमुत्तमं ॥४॥
माता-पितु उपट्ठानं पुत्तदारस्स सङ्गहो।
अनाकुला च कम्मन्ता एतं मङ्गलमुत्तमं ॥५॥

दानण्च धम्मचरिया च ञातकानं च सङ्गहो ।
अनवज्जानि कम्मानि एतं मङ्गलमुत्तमं ॥६ ॥
आरति विरति पापा मज्जपाना च सञ्ञमो ।
अप्पमादो च धम्मेसु एतं मङ्गलमुत्तमं ॥७ ॥
गारवो च निवातो च सन्तुट्ठी च कतञ्ञुता ।
कालेन धम्मसवणं एतं मङ्गलमुत्तमं ॥८ ॥
खन्ती च सोवचस्सता समणानं च दस्सनं ।
कालेन धम्मसाकच्छा एतं मङ्गलमुत्तमं ॥९ ॥
तपो च ब्रह्मचरिया च अरियसच्चान दस्सनं ।
निब्बान सच्छिकिरिया च एतं मङ्गलमुत्तमं ॥१० ॥
फुट्ठस्स लोकधम्मेहि चित्तं यस्स न कम्पति
असोकं विरजं खेमं एतं मङ्गलमुत्तमं ॥११ ॥
एतादिसानि कत्वान सब्बत्थं अपराजिता
सब्बत्थ सोत्थिं गच्छान्ति तं तेसं मङ्गलमुत्तम ' न्ति ॥१२ ॥

महामंगल - सूत्र

ऐसा मैंने सुना। एक समय भगवान श्रावस्ती में अनाथपिण्डक के जेतवनाराम में विहार करते थे। उस समय एक देव रात्रि बीतने पर अपनी दीप्ति से समस्त जेतवन को आलोकित करते हुए जहाँ भगवान थे वहां आया, आकर भगवान को अभिवदन कर एक ओर खड़ा हो गया। एक ओर खड़े हो वह गाथा में भगवान से बोला :-

मंगल की इच्छा करते हुए बहुत से देव एवं मनुष्यों ने मंगल कार्यों पर विचार किया है। आप बतावें कि उत्तम मंगल कार्य क्या हैं ॥१ ॥

(तथागत ने कहा) - मूर्खों की संगत नहीं करना, विद्वानों की संगत करना एवं पूज्यों की पूजा करना, यह उत्तम मंगल हैं ॥२ ॥

उचित स्थान पर निवास करना, पुण्य कार्यों का संचय करना तथा सम्यक् आत्म निरीक्षण यह उत्तम मंगल हैं ॥३ ॥

बहुश्रुत होना, शिल्पादि कलाएँ सीखना, शिष्ट व्यवहार होना, श्रेष्ठ शिक्षा लेना, सुभाषित युक्त वाणी होना यह उत्तम मंगल हैं ॥४ ॥

माता-पिता की सेवा करना, बच्चों व पत्नी का पालन-पोषण करना, कोई गलत कार्य न करना यह उत्तम मंगल है ॥५ ॥

दान देना, धर्म का आचरण करना, बन्धु-बान्धवों का आदर- सत्कार, दोष रहित कार्य करना यह उत्तम मंगल है ॥६ ॥

तन-मन व वाणी के पापों को त्यागना, मद्यपान न करना, आलस्य रहित हो धार्मिक कार्यों पर तत्पर रहना यह उत्तम मंगल है ॥७ ॥

प्रतिष्ठा पाना, विनम्र होना, सन्तुष्ठ रहना, कृतज्ञ होना एवं उचित समय पर धर्म सुनना यह उत्तम मंगल है ॥८ ॥

क्षमा शील होना, आज्ञाकारी होना, श्रमणों के दर्शन करना व उचित समय पर धर्म चर्चा करना, यह उत्तम मंगल है ॥९ ॥

तप, ब्रह्मचर्य का पालन, चार आर्य सत्यों का दर्शन और निर्वाण का साक्षात्कार करना, यह उत्तम मंगल है ॥१० ॥

जिसका चित्त प्रचलित लोक धर्म [१] से विचलित नहीं होता वह शोकरहित, निर्मल एवं निर्भय रहता है यह उत्तम मंगल हैं ॥

इस प्रकार के कार्य करके सर्वत्र अपराजित हो लोग कल्याण प्राप्त करते हैं यह उनके (देव व मनुष्यों के) लिए उत्तम मंगल है ॥१२ ॥

---

* लाभ तथा हानी, यश तथा अपयश, निंदा तथा स्तुति, सुख तथा दुःख, यह आठ लोक स्वभाव (लोकधर्म) हैं ।

Ma"ngala Sutta"m
The Discourse on Good Fortune

[Evam-me suta"m,] Eka"m samaya"m Bhagavaa, Saavatthiya"m viharati, Jetavane Anaathapi.n.dikassa, aaraame.

I have heard that at one time the Blessed One was staying in Savatthi at Jeta's Grove, Anathapindika's park.

Atha kho aññataraa devataa, abhikkantaaya rattiyaa abhikkanta-va.n.naa kevala-kappa"m Jetavana"m obhaasetvaa,
yena Bhagavaa ten'upasa"nkami.

Then a certain devata, in the far extreme of the night, her extreme radiance lighting up the entirety of Jeta's Grove, approached the Blessed One.

Upasa"nkamitvaa Bhagavanta"m abhivaadetvaa ekamanta"m a.t.thaasi.
On approaching, having bowed down to the Blessed One, she stood to one side.

Ekam-anta"m .thitaa kho saa devataa Bhagavanta"m gaathaaya ajjhabhaasi.
As she was standing there, she addressed a verse to the Blessed One.

"Bahuu devaa manussaa ca
ma"ngalaani acintayu"m
AAka"nkhamaanaa sotthaana"m
bruuhi ma"ngalam-uttama"m.

"Many devas & humans beings give thought to good fortune,
Desiring well-being. Tell, then, the highest good fortune."

"Asevanaa ca baalaana"m
pa.n.ditaanañca sevanaa
Puujaa ca puujaniiyaana"m
etam-ma"ngalam-uttama"m.

"Not consorting with fools, consorting with the wise,
Paying homage to those who deserve homage:
This is the highest good fortune.

Pa.tiruupa-desa-vaaso ca
pubbe ca kata-puññataa
Atta-sammaa-pa.nidhi ca
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Living in a civilized country, having made merit in the past,
Directing oneself rightly:
This is the highest good fortune.

Baahu-saccañca sippañca
vinayo ca susikkhito
Subhaasitaa ca yaa vaacaa
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Broad knowledge, skill, discipline well-mastered,
Words well-spoken:
This is the highest good fortune.

Maataa-pitu-upa.t.thaana"m
putta-daarassa sa"ngaho
Anaakulaa ca kammantaa
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Support for one's parents, assistance to one's wife & children,
Jobs that are not left unfinished:
This is the highest good fortune.

Daanañca dhamma-cariyaa ca
ñaatakaanañca sa"ngaho
Anavajjaani kammaani
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Generosity, living by the Dhamma, assistance to one's relatives,
Deeds that are blameless:
This is the highest good fortune.

AAratii viratii paapaa
majja-paanaa ca saññamo
Appamaado ca dhammesu
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Avoiding, abstaining from evil; refraining from intoxicants,
Being heedful with regard to qualities of the mind:
This is the highest good fortune.

Gaaravo ca nivaato ca
santu.t.thii ca kataññutaa
Kaalena dhammassavana"m
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Respect, humility, contentment, gratitude,
Hearing the Dhamma on timely occasions:
This is the highest good fortune.

Khantii ca sovacassataa
sama.naanañca dassana"m
Kaalena dhamma-saakacchaa

etam-ma"ngalam-uttama"m.

Patience, composure, seeing contemplatives,
Discussing the Dhamma on timely occasions:
This is the highest good fortune.

Tapo ca brahma-cariyañca
ariya-saccaana-dassana"m
Nibbaana-sacchi-kiriyaa ca
etam-ma"ngalam-uttama"m.

Austerity, celibacy, seeing the Noble Truths,
Realizing Liberation:
This is the highest good fortune.

Phu.t.thassa loka-dhammehi
citta"m yassa na kampati
Asoka"m viraja"m khema"m
etam-ma"ngalam-uttama"m.

A mind that, when touched by the ways of the world,
Is unshaken, sorrowless, dustless, secure:
This is the highest good fortune.

Etaadisaani katvaana
sabbattham-aparaajitaa
Sabbattha sotthi"m gacchanti
tan-tesa"m ma"ngalam-uttamanti."

Everywhere undefeated when doing these things,
People go everywhere in well-being:
This is their highest good fortune."